SALTOC Project
Title: Ataeva: Uttara Pradeśa Hindī Saṃsthāna kā traimāsika
Imprint: Lakhanaū : Uttara Pradeśa Hindī Saṃsthāna
OCLC: 19061276
Volume 2, nos. 6-7 [July-August 1989]
TOC Supplied by: Princeton University Library

अतएव

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान का त्रैमासिक

2 6-7

वर्ष : २ संयुक्तांक : ६-७

सम्पादक
रामपाल सिंह

उप सम्पादक
अखिलेश

सम्पादकीय कार्यालय
उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान
राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन हिन्दी भवन
महात्मा गांधी मार्ग
लखनऊ, उ०प्र०

मूल्य : दस रुपये वार्षिक : पैंतीस रुपये

अतएव

सम्पादकीय

शताब्दी/जवाहरलाल नेहरू : भविष्य पर प्रश्न चिन्ह **गंगा प्रसाद विमल** ४/ हिन्दी साहित्य पर नेहरू का प्रभाव **नगेन्द्र** ६/ भारत के हृदय सम्राट जवाहर लाल नेहरू **बाल्मीकि चौधरी** १०/ समाजवाद के बारे में नेहरू के विचार **चन्द्रोदय दीक्षित** १३/ भारत का ऋतुराज **कमलापति मिश्र** १६/ भारत की भाषा समस्या और जवाहर लाल नेहरू **हरिश्चन्द्र** १८

शताब्दी/ जयशंकर प्रसाद : जातीय स्मृति के प्रतिमान : प्रसाद **विद्यानिवास मिश्र** २४/ प्रलय की छाया : प्रासंगिकता का एक उदाहरण **नामवर सिंह** २६/ प्रसाद और छायावाद की प्रासंगिकता **भगवती शरण सिंह** ३४/ जयशंकर प्रसाद : कथा साहित्य में स्वच्छन्दतावादी यथार्थ **चन्द्रकांत बांदिवडेकर** ३८/ आधुनिक सभ्यता का संकट और कामायनी **विष्णुकान्त शास्त्री** ४४/ प्रसाद के नाटक : विविध प्रयोग **सूर्यप्रसाद दीक्षित** ५१/ प्रसाद का काव्य : एक पुनर्मूल्यांकन **शम्भूनाथ चतुर्वेदी** ५५

शताब्दी/वृन्दावन लाल वर्मा : सामन्ती रूढ़ियों, निषेधों और प्रतिबन्धों का तिरस्कार **श्रीलाल शुक्ल** ६०

शताब्दी/नरेन्द्रदेव : आचार्य नरेन्द्र देव का हिन्दी प्रेम **भुवनेशचन्द्र मिश्र** ६५

परम्परा : बंकिमचन्द्र और भारतीय उपन्यास **परमानन्द श्रीवास्तव** ६६

लेख : आचार्य शुक्ल की इतिहास-दृष्टि **रमाशंकर तिवारी** ७३/ जनता का साहित्य और नागार्जुन **राममूर्ति त्रिपाठी** ८१/ खड़ी बोली के प्रचार प्रसार में गुप्त जी का योगदान **कैलाशचन्द्र भाटिया** ८६/ साहित्य में नैतिकता की समस्या **दयानन्द प्रसाद बटोही** ६६/ रघुवंश में राजन् तथा मेघदूत में मेघ के पर्यायों का शैली वैज्ञानिक अध्ययन **डॉ० एम० एल० अग्रवाल** १०४

मूल्यांकन : मुक्तिबोध की कहानियां : मानव सम्बन्धों की विडम्बना **अपराजिता** ८४/ यज्ञों के विधिविधान में याक्षवक्य का योगदान **च० प्र० शर्मा** ५६

भाषा : देवनागरी लिपि का सुधार नव नागरी लिपि के रूप में **सूर्यबहादुर श्रेष्ठ** ६५

नाटिका : पांच नम्बर प्लेटफार्म **फणीश्वरनाथ रेणु** १०७

भाषान्तर : फणिअल, पंजाबी कहानी **महिन्दर सिंह सरना** ११५/ पांव के नीचे की जमीन **सुनील दास** ११८

कविताएं . **लक्ष्मीशंकर मिश्र 'निशंक'** १२३/ **चन्द्रप्रकाश सिंह** १२४/ **देवेन्द्र कुमार** १२४/ **स्वप्निल श्रीवास्तव** १२६ **राजेश शर्मा** १२८/ **धीरेन्द्र अस्थाना** १२६/ **ओम भारती** १३०/ **गम्भीर सिंह पालनी** १३१/ **आशाराम त्रिपाठी** १३२ **विजेन्द्र** १३२

कहानी : लौटना **हरीशचन्द्र अग्रवाल** १३८/ पहचान **अभय** १४५/ गणेश जी की वापसी **नरेन्द्र ओबेराय** १५१

श्रद्धांजलि : प्रकृति पुत्र बाबू भगवती शरण सिंह **चन्द्रिकाप्रसाद शर्मा** १५६